

यूपीएससी (upsc) एक खूबसूरत सफर ,हिमालय के पहाड़ों से दिल्ली में upsc के धौलपुर भवन तक

एक महान philosopher ने कहा है ,अगर किसी चीज को दिल से चाहो तो पूरी कायनात उसे तुमसे मिलाने की साजिश में लग जाती है ,मैंने भी कुछ ऐसा ही चाहा था upsc को , DM साहब बनना मेरे बचपन का सपना था ,जब पहली बार मैंने अपने इलाके पौड़ी गढ़वाल के dm को देखा ,लोगों का हूजूम उनके आस पास था जैसे वह कोई बहुत बड़े हीरो हो ,उनका रुतबा ,उनकी वो लाल बत्ती की गाड़ी , वो जिस जगह जाते लोग हाथ जोड़कर खड़े हो जाते ,ये सब देखकर मैं दंग रह गया ,अपने टीचर से जब मैंने पूछा मास्टरजी ये कौन है ,उन्होंने जवाब दिया बेटा रोहन ये इस इलाके के सबसे बड़े अधिकारी है ,श्याम देशमुख ,मैंने तुरंत पूछा मास्टर जी मुझे भी बनना है बड़ा अधिकारी ,बताओ ना कैसे बनते है ,तब मेरी उम्र सिर्फ 13 साल की थी ,मास्टरजी ने बताया ,पहले अपनी दसवी ,बारवी कर लो फिर बन जाना अधिकारी और हम क्लास में फिर से बैठा गए |

सपने का याद आना

कुछ वर्षों के बाद जब मैं मेरे ग्रेजुएशन (इंजीनियरिंग) के फाइनल ईयर में था ,कुछ लोग mba करना चाहते थे ,तो कुछ foreign जा रहे थे ,लेकिन बचपन का वो सपना जैसे मुझे फिर से याद आ रहा था ,मुझे डीएम साहब बनना है ,फैसला मुश्किल था अब उम्र फैमिली को सँभालने की थी ,घरवाले भी पूछ रहे थे प्लेसमेंट हो जायेगा ना ,मैंने कहा नहीं ,वो शॉक हो गए क्यों मैंने कहा मैं प्लेसमेंट में नहीं बैठूंगा मुझे डीएम साहब बनना है ,परिवार नाराज हो गया लेकिन मुझे रोका नहीं |

सपनों के शहर में अकेला

मैं ,upsc के हॉलीवुड माने जाने वाले दिल्ली के मुखर्जी नगर में कुछ दिन रहा ,लाखों की भीड़ और सबका एक ही सपना डीएम साहब बनना |

भीड़

हर साल 6 से 7 लाख कैंडिडेट upsc का फॉर्म भरते हैं ,केवल 15000 मेन्स (मुख्य परीक्षा) लिखते हैं और 2000 लोग इंटरव्यू देते हैं जिसमें से 1000 जितने ही सिलेक्ट हो पाते हैं ,यानि दुनिया के सबसे मुश्किल एग्जाम में से एक

सफर की शुरुआत

मैं तुरंत एक कोर्स खरीद कर एक अकेले रूम में तैयारी शुरू करने लगा ,लगातार 8 से 10 घंटे की पढ़ाई जीवन जैसे एक रूम में सिमट सा गया था ,मैं और मेरी किताब ,घरवाले नाराज ,जिस उम्र में मेरे दोस्त शादी कर रहे थे,सोशल मीडिया में सेल्फी डाल रहे थे मैंने सोशल मीडिया से पूरी तरह कटने का फैसला लिया ,3 से 4 साल की कड़ी मेहनत फेलियर डीमोटिवेशन , डिप्रेशन हताशा निराशा के बाद,रेगिस्तान में वसंत वापस आ गयी थी फाइनली 2023 में मैं इंटरव्यू में पहुँच गया था ,मेरी तो खुशी का ठिकाना ही नहीं था |

इंटरव्यू की तैयारी और इंटरव्यू से जुड़े **myth** क्या सच में पूछे जाते हैं ऐसे सवाल ?

पहले मुर्गी आयी या अंडा ,आपकी शर्ट में कितने बटन हैं ,आप जिन सीढ़ियों से आये हो उनकी संख्या कितनी थी,इंटरनेट ऐसे बेतुके सवालों से भरा पड़ा है,... ये सवाल उतने ही सच हैं जितना कि समुद्र में जलपरी का होना यानि कोरा झूठ

कैसे होती है **upsc** में इंटरव्यू की तैयारी

जैसे ही आप प्रीलिम्स (mcqs) बेस्ट एग्जाम पास करके मेन्स जो कि दूसरे स्टेज कि रिटर्न एग्जाम हैं पास करते हैं ,आपको एक डीटेल फॉर्म भरना पड़ता है जिसमे आपके पर्सनल से लेकर प्रोफेशनल फैमिली डीटेल आदि सब की जानकारी विस्तार से दी जाती है

मोक इंटरव्यू (करत -करत अभ्यास ते जड़मत होई सुजान)

आप अलग-अलग कोचिंग इंस्टीट्यूट में फ्री मोक टेस्ट यानि हूबहू इंटरव्यू जैसी तैयारी कर सकते हैं जो अल्लाह अलग कोचिंग इंस्टीट्यूट फ्री में करवाते हैं जैसे दृष्टि आईएएस(drishti), विज्ञान आईएएस(vision) शून्य आईएएस (sunya)

जजमेंट डे (अंतिम युद्ध) the final battle

जिसका हमें था इंतज़ार वो घड़ी आ गयी थी ,मेरी पूरी रात लगभग एक्साइटमेंट में गुजरी मैं सो नहीं पाया ,अगले दिन मैं सुबह जोश और थोड़ा डर से उठा ,नई दिल्ली धौलपुर हाउस एक शानदार upsc भवन है ,मेरा इंटरव्यू सुबह की शिफ्ट में था ,गेट पर लम्बी लाइन लगी हुई थी सपनों की लाइन उन सभी बच्चों कि जिन्होंने सालो इसकी तैयारी की ,crpf के जवानो ने सिक्योरिटी चेक की मोबाइल आदि को एक अलग रूम में रखवा दिया ,कड़ी सुरक्षा का माहौल था ,टैलेंट का मेला सा लगा हुआ था ,सब बच्चे आपस में पहले थोड़ा बातचीत कर रहे थे फिर अपने अपने डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के प्रोसेस के बाद एक - एक करके अपने नंबर के अनुसार रेस्टिंग रूम में बैठने लगे

तूफान के पहले की शांती

इंटरव्यू के लिए मेरा लगभग आठवा - नौवा स्थान था ,मैं खुर्ची पर बैठा था ,चार सालो की कड़ी मेहनत ,खुशी और गम ,के पल जैसे आँखों के सामने आने लगे थे ,मैं इमोशनल था ,लेकिन बार बार अपने आप को याद दिला रहा था,कि पिक्चर अभी बाकी है मेरे दोस्त ,शांत हो जाओ फिर लगभग 12 बजे के करीब मेरा नाम पुकारता एक कर्मचारी आया कहा अगला नंबर आपका है ,जनाब मैंने कहा जी सर

इंटरव्यू (एक सुखद अनुभव)

-मैंने धीरे से दरवाजा खोला और बोला मैम मे आई कम इन ,अंदर से एक रौबदार आवाज आयी यस यंग बॉय कम इन

मुझे सुजाता मैम (हेड)का बोर्ड मिला था जो एक सीनियर आईएएस अधिकारी थी ,मेरे बोर्ड में टोटल 5 लोग थे , एक इकोनॉमिस्ट ,एक सोशल वर्कर ,एक पूर्व सेना के अधिकारी ,एक शिक्षाविद

मैंने इस्माइल करके ,सबको गुड आफ्टर नून बोला और उनसे बैठने को पूछा उन्होंने कहा सिट डाउन फिर तो जैसे आधे घण्टे तक मैं सपनो की दुनिया में कई खो सा गया एक के बाद एक सवालों की गोली दागी गयी ,लेकिन बड़े प्यार से,उन्होंने दुनिया भर के सवाल पूछे जिनका मैंने पहले से ही मोक इंटरव्यू मे तैयारी कर ली थी

पहला सवाल था -अपने बारे में बताओ ,वाई डू यू वांट टू ज्वाइन सिविल सर्विसेस

मैंने गर्म जोशी से जवाब देना शुरू किया मेरा नाम ,मेरा होम टाउन सब कुछ बड़े धैर्य के साथ कॉन्फिडेंस के साथ बोल रहा था कि ,बीच से आवाज आई अरे ज्वाइन क्यों करना चाहते हो तुम तो इंजीनियर हो ,मैंने मुस्कराते हुआ कहा सर ये मेरा बचपन का सपना है , मैं लोगो के बीच काम करना चाहता हूँ

सामने से फिर सवाल आया वो तो आप इंजीनियर बनके भी कर सकते हो ,मैंने कहा जी सर लेकिन लोगो के साथ सीधा सम्बन्ध ,लोगो के लिए सीधे पालिशी बनाना ये मौका सिविल सर्विसेस में ज्यादा बड़ा है

उन्होंने कहा ठीक है तुम पहाड़ी हो ना कुछ सुनाओ मैंने कहा सर गीत गाकर उन्होंने कहा अरे थोड़ा गुनगुनालो इतने सीरियस क्यों हो भाई मैंने थोड़ा ओ गुनगुनाया वो दरसअल मुझे कम्फर्टेबल करना चाहते थे

फिर पूछा उत्तराखंड के बारे में कुछ बताओ उसकी समस्याएं , मौके (opportunities) मैंने भी बड़ी तस्सली से माइग्रेशन से लेकर टूरिज्म तक बड़ी तस्सली से बताया ,मोक में जो प्रैक्टिस की हुई थी ,फिर अचानक से एक कड़क आवाज़ आयी तुम्हारा उत्तराखंड बॉर्डर चीन से मिलता है ,ये क्या मामला है हमारा चीन के साथ ,मैं भी इंडिया चीन की सुरक्षा पर सर को बताने लगा पूरे कॉन्फिडेंस के साथ ,वो बीच - बीच में पूछ रहे थे **are -you -sure ?** दरअसल वो मेरा कॉन्फिडेंस चेक करने के लिए ऐसा कर रहे थे मैं भी कॉन्फिडेंस से यस सर कहता रहा ,मेरे अनुभव से फ्यूचर स्टूडेंट्स को यही सलाह होगीकि आप कॉन्फिडेंस बनाये रखे

flow (लय)

-एक के बाद एक सवालों की झड़ी लग रही थी , कभी महिला रिजर्वेशन तो कभी केंद्र -राज्य सम्बन्ध तो कभी मिडल ईस्ट इंडियन पालिसी , तो कभी सिविल सर्विसेस में रिश्वत को लेकर एक के बाद एक गोली जिससे वो मेरा टेम्परेमेंट चेक कर रहे थे ,मुझे प्रेशर सिचुएशन में डाल रहे थे ,एक जरूरी सलाह ये रहेगी की जो नहीं आता है ईमानदारी से सर आई विल लर्न कहकर आगे बढ़ जाइए ,उनके सामने इमोशन पर काबू रखिए और चहरे पर मंद मुस्कान रखिए

व्यक्तित्व की एग्जाम

upsc इंटरव्यू को पर्सनालिटी टेस्ट कहते है ये केवल आपके ज्ञान की नहीं अपितु आपकी पर्सनालिटी का भी इम्तिहान है ,आपके टेम्परेमेंट ,आपके प्रजेंस ऑफ़ माइंड ,मुश्किल परिस्थितियों को शांत रहकर हैंडल करना ,प्रेशर ऑब्ज़रव करना इसलिए सुझाव ये रहेगा अपने आप को होलिस्टिक पर्सनालिटी बनाये स्पोर्ट्स से लेकर एक्स्ट्रा कैरिकुलम एक्टिविटीज़ जैसे म्यूजिक ,आर्ट में भाग लीजिए तभी आपका सुन्दर व्यक्तित्व

बाहर आयेगा ,जैसे मूर्तिकार मूर्ति को एक पत्थर से निकलता है |

सलाह

-upsc जीवन का अंत नहीं है,ये तो एक सुन्दर शुरुआत है अगर सौ फीसदी मेहनत करने पर आईएएस बने तो ठीक वरना ये अनुभव आपको जिंदगी भर काम आता है, अब एपीजे कलाम को ही देख लीजिए बनना था पायलेट बन गए प्रेसिडेंट ,कहते है ना मन का हो तो अच्छा ना हो तो उससे भी अच्छा जीवन में देर सवेर ही सही सफलता जरूर मिलेगी ऊपर दी गयी टिप्स पर ध्यान दीजिए दूसरों की गलतियों से सीखिए,और अपने सपने पूरे कीजिए "सपने उन्ही के पूरे होते है, जिनके सपनो में जान होती है पंखो से कुछ

नहीं होता हौसलो से उड़ान होती है |